Prof (Dr) Ramakant Dwivedi was awarded a "Diploma of Honorary Professor" by the University of Innovation and Digital Technologies (UIDT) of Tajikistan, Agency of Innovation and Digital Technologies under the President of the Republic of Tajikistan in Kulov city of Tajikistan on **October 16, 2025**. This honour was given to Dr Dwivedi in a special function at the University campus where experts from Russia, Iran, India, Central Asian countries and other countries participated. Dr Dwivedi was given a certificate by Prof Almossho Shohiyon Rector of the said University. This honour was given to Dr Dwivedi in recognition of his outstanding achievements in a field of Central Asian Studies and excellent contribution in promoting relations between India and Tajikistan. Mr Hokim Ismoilzoda, First Deputy Director of the Agency of Innovation and Digital Technologies under the President of the public of Tajikistan was present on the occasion.

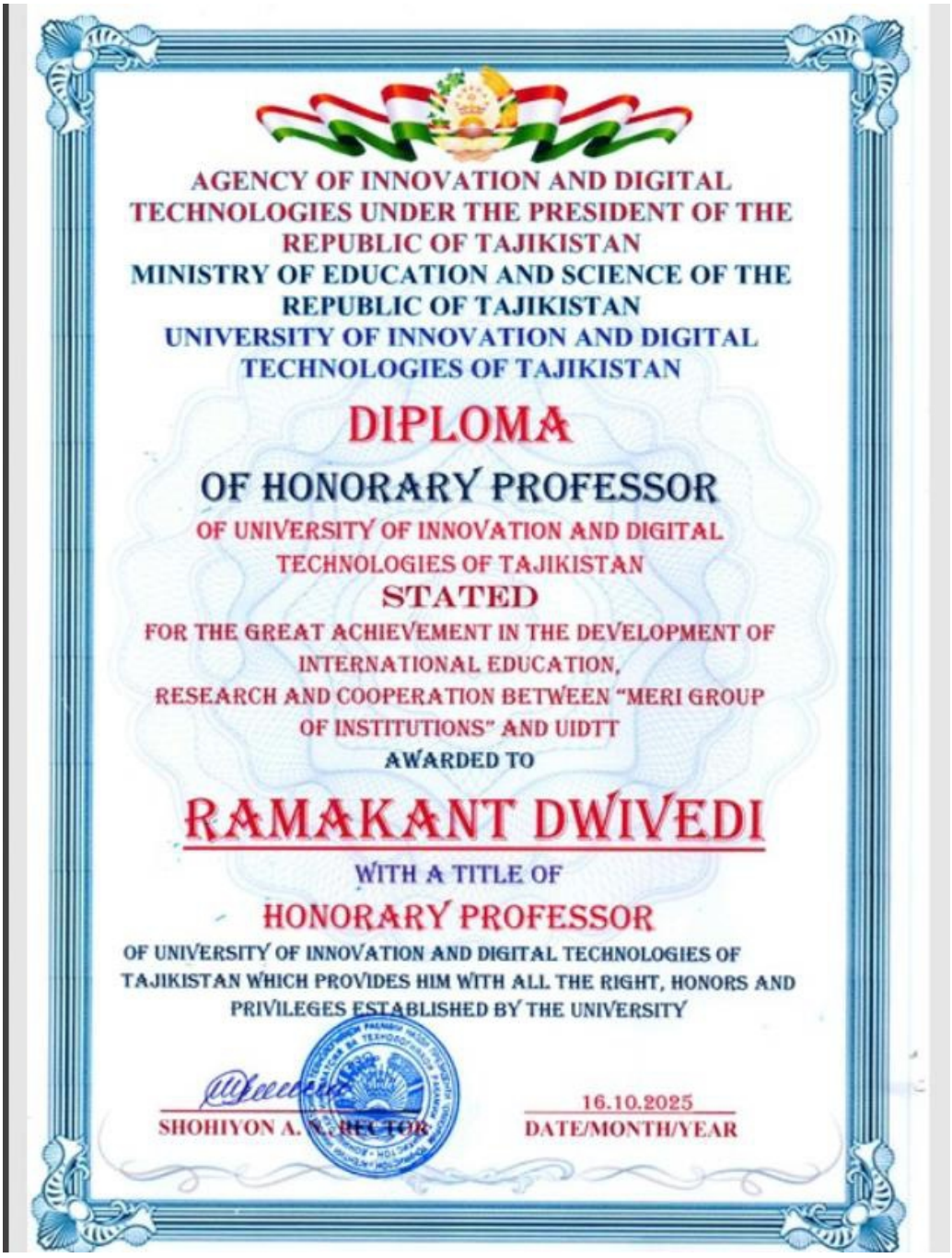

AGENCY OF INNOVATION AND DIGITAL TECHNOLOGIES UNDER THE PRESIDENT OF THE REPUBLIC OF TAJIKISTAN

MINISTRY OF EDUCATION AND SCIENCE OF THE REPUBLIC OF TAJIKISTAN

UNIVERSITY OF INNOVATION AND DIGITAL TECHNOLOGIES OF TAJIKISTAN

DIPLOMA

OF HONORARY PROFESSOR

OF UNIVERSITY OF INNOVATION AND DIGITAL TECHNOLOGIES OF TAJIKISTAN

STATED

FOR THE GREAT ACHIEVEMENT IN THE DEVELOPMENT OF INTERNATIONAL EDUCATION, RESEARCH AND COOPERATION BETWEEN "MERI GROUP OF INSTITUTIONS" AND UIDTT

AWARDED TO

RAMAKANT DWIVEDI

WITH A TITLE OF

HONORARY PROFESSOR

OF UNIVERSITY OF INNOVATION AND DIGITAL TECHNOLOGIES OF TAJIKISTAN WHICH PROVIDES HIM WITH ALL THE RIGHT, HONORS AND PRIVILEGES ESTABLISHED BY THE UNIVERSITY

SHOHIYON A. S., RECTOR

16.10.2025

DATE/MONTH/YEAR

# प्रो. (डॉ.) रमाकांत द्विवेदी को ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति के अधीन विवि ने 'मानद प्रोफेसर डिप्लोमा' से सम्मानित किया

**वीर अर्जुन समाचार ब्यूरो**

दुशांबे (ताजिकिस्तान)। भारत और ताजिकिस्तान के बीच शैक्षणिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रो. (डॉ.) रमाकांत द्विवेदी को ताजिकिस्तान के यूनिवर्सिटी ऑफ इनोवेशन एंड डिजिटल टेक्नोलॉजीज (यूआईडीटी) की ओर से 'डिप्लोमा ऑफ ऑनरेरी प्रोफेसर' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 16 अक्टूबर 2025 को कुलोब शहर स्थित विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विशेष समारोह में प्रदान किया गया।

इस अवसर पर रूस, ईरान, भारत और मध्य एशियाई देशों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। समारोह में विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. आलमोशो शोहियॉन ने प्रो. द्विवेदी को यह सम्मान पत्र प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें सेंट्रल एशिया स्टडीज़ के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों तथा भारत-ताजिकिस्तान संबंधों को प्रोत्साहित करने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। इस अवसर पर एजेंसी ऑफ इनोवेशन एंड डिजिटल टेक्नोलॉजीज़ (राष्ट्रपति कार्यालय के अधीन) के प्रथम उपनिदेशक होकिम इस्माइलजोदा भी उपस्थित रहे। प्रो. (डॉ.) रमाकांत द्विवेदी वर्तमान में नई दिल्ली स्थित मैनेजमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमईआरआई) के सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज़ के प्रमुख हैं और इंडिया सेंट्रल एशिया फाउंडेशन (आईसएएफ) के निदेशक भी हैं।

ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति के अधीन आने वाले विश्वविद्यालय के रेक्टर से मानद प्रोफेसर डिप्लोमा की उपाधि प्राप्त करते हुए एमईआरआई नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. रमाकांत द्विवेदी।

उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 1986 में स्नातक तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से 1992, 1997 और 2002 में क्रमशः स्नातकोत्तर, एम.फिल. और पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। वे ताशकंद स्थित अल-बरूनी इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज़ (1998-2001) में विज़िटिंग रिसर्च फेलो, और नई दिल्ली के मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (एमपी-ईडसा) में एसोसिएट फेलो (2003-2007) रहे। इसके बाद वे प्रधानमंत्री कार्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएस ए) कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में 2007 से 2024 तक कार्यरत रहे। उन्होंने अब तक 14 देशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 50 से अधिक शोध पत्र व 10 पुस्तकों का लेखन/संपादन किया है। इस अवसर पर एम एमईआरआई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स और यूनिवर्सिटी ऑफ इनोवेशन एंड डिजिटल टेक्नोलॉजीज (यूआईडीटी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर हुए। यह समझौता प्रो. ललित अग्रवाल (वाईस प्रेजिडेंट, एमईआरआई) और प्रो. आलमोशो शोहियॉन (रेक्टर, ळण्ऊ) के बीच हुआ। इस मौके पर प्रो. द्विवेदी, होकिम इस्माइलजोदा, लव अग्रवाल (सीईओ, एमईआरआई स्टार्टअप) सहित कई देशों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। प्रो. ललित अग्रवाल ने आधुनिक समय में भू-राजनीतिक अध्ययन और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) की प्रासंगिकता पर बल देते हुए बताया कि एमईआरआई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स अपने विश्वस्तरीय फैकल्टी और उद्योगोन्मुख पाठ्यक्रम के लिए जाना जाता है, जिसमें साइबर सुरक्षा, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग जैसे उन्नत कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।